Journal of Research & Development
Vol. 6 (Issue. 02), March-May, 2016
(ISSN-2230-9578)

fcykl ij ftyl ¼NRrhlx<½dl iFkfj;k fodkl[k.M el df’k Hkfe mi;kx ,o Qly ifr:Ik dk v/;;u

¼ifrn’k xkek dl lnHk e½

Mk- ,l-vkj- deyl’k
(प्राचार्य) शासकीय, बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
Mk- lxhrk 'kDyk
(सहायक प्राध्यापक) भूगोल, शासकीय, बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

'kk/k lkjk’k

भारत गांव का देश है यहां की आधे से अधिक जनसंख्या गांव में निवास करती है। इन्हीं गांव से होकर नगर की सभ्यता और संस्कृति का विकास होता है। किसी क्षेत्र का विकास उसकी आर्थिक स्थिति का परिचायक होता है। भौगोलिक संदर्भ में आर्थिक विकास का अर्थ मानव एवं प्रकृति के मध्य प्रारंभिक अन्र्तसंबंधों लेकर वर्तमान अन्र्तसंबंधों तक लिया जाता है। प्राचीन समय से वर्तमान समय तक भारत की जीवन तंत्र कृषि कार्य पर निर्भर रही है। यहां की आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय सभी पहलुओं पर कृषि भूमि उपयोग का समग्र प्रभाव रहा है और कृषि कार्य इन सभी कारकों से प्रभावित होता है। प्रस्तुत अध्ययन पथरिया विकासखण्ड बिलासपुर जिला छत्तीसगढ़ के दक्षिण पश्चिम भाग में स्थिति है इस विकासखण्ड का क्षेत्रफल 51504 हेक्टेयर है। यहां की क्षेत्र के विकास में कृषि भूमि उपयोग एवं फसल प्रतिरूप का प्रभाव स्पष्ट है इसी संदर्भ में प्रस्तुत अध्ययन में क्षेत्र की चयनित ग्रामों का अध्ययन क्षेत्र विशेष की कृषि दशाओं, स्थानिक वितरण एवं भूमि उपयोग प्रतिरूप, फसल प्रतिरूप का अध्ययन है।

Keyward - भूमि उपयोग, फसल प्रतिरूप, कृषि उत्पादन, सिंचाई, उर्वरक, उन्नत बीज, कृषि उपकरण, कीटनाशक।

¼1½ Ikfjp; %&

पथरिया विकासखण्ड, बिलासपुर जिले की दक्षिणी सीमा बनाती हुई राज्य मार्ग द्वारा, जिला मुख्यालय बिलासपुर से जुड़ा है। जिला मुख्यालय से पथरिया विकासखण्ड की दूरी लगभग 40 किलोमीटर है। वर्ष 1952 में स्थापित इस विकासखण्ड में कुल 159 ग्रामों में से 96 ग्राम अबाद है एवं 63 ग्राम वीरान थे। वर्तमान में आबाद ग्राम 145 है। पथरिया विकासखण्ड का भौगोलिक विस्तार 21^0 49′ 30′′ से 22^0 8′ 35′′ उत्तरी अक्षांश एवं 81^0 43′ 30′′ से 82^0 01′ 56′′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। 2001 की जनगणना अनुसार पथरिया विकासखण्ड की जनसंख्या 209084 व्यक्ति है। पथरिया विकासखण्ड का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 51504 हेक्टेयर है। यहां का जनसंख्या घनत्व 211 व्यक्ति है। मनियारी नदी इसकी उत्तरी पूर्वी भाग का सीमा निर्धारित करती है। शिवनदी द्वारा यह भाटापारा (रायपुर) विकासखण्ड को पृथक करती है। पथरिया विकासखण्ड के उत्तर में तखतपुर व दक्षिण बिल्हा तहसील एवं पश्चिम में मूंगेली तहसील सीमावर्ती क्षेत्र है।

¼2½ v/;;u {k= &

प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन क्षेत्र पथरिया विकासखण्ड के चार प्रतिदर्श ग्राम कुकुसदा, खपरी, बरछा एवं मदकु ग्राम है। इन ग्रामों का चयन दैव निर्दशन पद्धति द्वारा किया गया है। ये ग्राम पटवारी हल्का क्रमांक क्रमशः 30, 46, 20 व 44 के अन्तर्गत सम्मिलित है। पथरिया विकासखण्ड पूर्णतः समतल मैदानी भूभाग, वन रहित क्षेत्र है। चयनित ग्राम कच्ची मार्ग मदकु एवं बरछा तथा पक्की मार्ग खपरी व कुकुसदा, पथरिया विकासखण्ड से जुड़े हुये हैं।

¼3½ v/;;u dk mnns’; %&

प्रस्तुत शोध पत्र के अध्ययन का उद्देश्य पथरिया विकासखण्ड के चार प्रतिदर्श ग्रामों के भूमि उपयोग एवं फसल प्रतिरूप का अध्ययन करता है। ग्रामों के सामाजिक संरचना एवं आर्थिक संरचना के विश्लेषण हेतु

सर्वेक्षित परिवारो का जनसंख्या स्वरूप, विश्लेषण एवं साक्षरता स्तर का अध्ययन, लिंगानुपात का अध्ययन तथा आर्थिक स्तर के मूल्यांकन हेतु कृषि भूमि उपयोग, फसल प्रतिरूप, आय का स्तर इत्यादि का अध्ययन एवं विश्लेषण कर ग्रामों का तुलनात्मक आर्थिक संरचना का अध्ययन करना प्रमुख उद्देश्य है।

¼4½ vkdMk dk ladyu¼&

प्रस्तुत अध्ययन में आकड़ो का संकलन पूर्णतः प्राथमिक स्रोतो, सर्वेक्षण एवं क्षेत्रीय अवलोकन पर आधारित है। आंशिक रुप से द्वितीयक आकड़ो का समावेश है। प्राथमिक स्रोतो के अन्तर्गत, प्रश्नावलीं अनुसूची व व्यक्तिगत सर्वेक्षण पर आधारिंत आकड़ों का संकलन है । द्वितीयक स्रोतो में जनगणना रिर्पोट, पंजीयन लेख, भूमि उपयोग गोशवारा, रबी, खरीफ जिन्सवार एवं मानचित्रण हेतु मजमूली नकशा ग्रामो का (मापक 16इंच–1मील) का प्रयोग किया गया है। प्रश्नावलीं द्वारा प्राथमिक आकड़ो में ग्रामो की सामान्य सूचनाये, सामाजिक संरचना, आर्थिक संरचना एवं कृषि स्वरुप से सम्बधित प्रश्न एवं जानकारी द्वारा आकड़ो का संकलन किया गया है।

¼5½ fof/k ra= ¼&

प्रस्तुत अध्ययन में विधि तंत्र के अन्तर्गत संकलित आकड़ो के माध्यम से अध्ययन क्षेत्र के ग्रामो का कृषि भूमिं उपयोग, कृषि स्वरुप एंव स्तर, भूमि उपयोग प्रतिरूप विश्लेषण का अध्ययन, तुलनात्मक स्वरुप है। इस हेतु आकड़ो का सारणीकरण, वर्गीकरण कर सांख्यिकीय विधियों द्वारा औसत वृद्धि एवं प्रवृत्ति का विश्लेषण कर निष्कर्ष प्राप्त किंया गया है । साथ हीं भूमिं उपयोग में तुलनात्मक परिवर्तन एवं कृषि स्तर का आकलन प्राप्त आकड़ो द्वारा विश्लेषित है।

¼6½ v/;;u fo ys'k.k ¼&

प्रस्तुत अध्ययन में पथरिया विकासखंड एवं चयनित ग्रामों, कुकुसदा, खपरी, बरछा, मदकु के कृषि भूमि उपयोग एवं फसल प्रतिरूप के विश्लेषण हेतु प्रश्नावली व साक्षात्कार द्वारा प्राप्त आकड़ों जैसे फसल उत्पादन, कृषि भूमि स्वरूप, फसलों के उत्पादन में व्यय, सिंचाई साधन, कृषि उत्पादों का क्रय विक्रय, कृषि उपकरण, उवर्रक, कीटनाशक प्रयोग, उन्नत बीज तथा अन्य सुविधाएं सम्बंधित तथ्यों के विश्लेषण कारण सहित किया गया है ।

d`f"k ,oa Hkwfe mi;ksx Lo:Ik ¼&

कृषि प्रमुख खाद्यान्न के रूप में मानव जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है। प्रदेश की अधिकांश कृषि जीवन निर्वाहक एवं 80 प्रतिशत से भी अधिक जनसंख्या कृषि कार्यों में संलग्न है। पथरिया विकासखण्ड एक कृषि प्रधान क्षेत्र है। सम्पूर्ण विकासखण्ड ग्रामीण क्षेत्र (2001 की जनगणना) अनुसार 98 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में प्राथमिक कार्यों में संलग्न है। पथरिया विकासखण्ड के 85.8 प्रतिशत जनसंख्या कृषि और 12.71 प्रतिशत कृषि मजदूर के रूप में कृषि कार्यो में संलग्न है। मुख्य रूप से खरीफ फसल के अंतर्गत 26735 हेक्टेयर भूमि है। वहीं रबी फसल के अंतर्गत 22060 हेक्टेयर है। धान प्रमुख फसल है जो अध्ययन क्षेत्र के (खरीफ फसल में) 20560 हेक्टेयर भाग पर बोयी जाती है। रबी फसल में तिवरा के अंतर्गत कुल 14408 हेक्टेयर क्षेत्रफल है। रबी फसल के अंतर्गत चना गेहूं, अलसी, अन्य फसलें उगायी जाती है। अध्ययन क्षेत्र के पथरिया विकासखण्ड में खरीफ फसलों का उत्पादन 54.79 प्रतिशत एवं रबी फसल 45.21 प्रतिशत है।

Lkkj.kh Øekad & ¼1½

iFkfj;k fodkl[k.M Hkwfe mi;ksx ¼2008½

क्रमांक	भूमि उपयोग	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	कुल क्षेत्रफल
1.	वन	–	–
2.	कृषि के लिये अनुपलब्ध भूमि	1026.10	19.92
3.	कृषि योग्य भूमि	638.2	12.39
4.	पड़ती भूमि	261.8	5.08
5.	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	32243.3	62.60
6.	दूफसली क्षेत्र	21380.2	43.32

lkr & Hk vfHky[k dk;ky; fcyklij

सारणी क्रमांक से स्पष्ट है कि, पथरिया विकासखण्ड में भूमि उपयोग प्रतिरूप में वन का प्रतिशत नगण्य है। अर्थात यह विकासखण्ड वन रहित, समतल भू भाग मैदानी क्षेत्र है। यहां कृषि प्रधानतया मुख्य कार्य है। शुद्ध निरा बोया गया क्षेत्र 62.6 प्रतिशत है। कृषि योग्य भूमि 12.3 प्रतिशत है। पड़ती भूमि 5.08 प्रतिशत है। तथा दुफसली क्षेत्र 43 प्रतिशत है।

lkj.kh ¼2½

iFkfj;k fodkl[k.M & Hkfe mi;kx e ifjorlu ¼ifr kr½

	Hkfe mi;kx	dy Hkkxkfyd {k= dk ifjorlu		
	Hkfe mi;kx&oxl	2008&2009	2014&15	
1.	व्न	थ्नरंक	निरंक	
2.	कृषि के लिये अनुपलब्ध भूमि	19.92	15.27	(–) 4.65
3.	कृषि योग्य भूमि	12.39	8.23	(–) 4.16
4.	पड़ती भूमि	5.08	3.09	(–) 1.99
5.	निरा बोया गया क्षेत्र	62.60	66.38	(+) 3.78
6.	दूफसली क्षेत्र	13.32	20.77	(+) 7.45

lkr & v/kh{kd Hk vfHky[k dk;ky;] fcyklij ¼N-x-½

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि, निरा बोया क्षेत्र एवं दूफसली क्षेत्र को छोड़कर सभी भूमि उपयोग वर्ग में ऋणात्मक परिवर्तन ही प्रवृत्ति है। यह भी स्पष्ट है कि, पथरिया विकासखण्ड के पटवारी हल्का अनुसार भूमि उपयोग के आंकड़ों में भी विभिन्नता मिलती है जिससे स्पष्ट होता है कि, भूमि उपयोग में कमी एवं वृद्धि दोनों प्रकार के परिवर्तन हुये है। सम्पूर्ण क्षेत्र को एक इकाई मानकर अध्ययन करने से कुछ उपयोगों में धनात्मक तथा कुछ उपयोगों से ऋणात्मक परिवर्तन मिलते है। जिसका प्रमुख कारण परिवहन मार्ग एवं सिंचाई विकास में भिन्नता है।

lkj.kh ¼3½

iFkfj;k fodkl[k.M & [kjhQ ,o jch Qly ifr :Ik

o'k 2008

[kjhQ Qly				jch Qly			
Qly {k=	gDV;j e	[kjhQ Qly {k= ifr kr	dy Qly {k=Qy ifr k	Qly {k=	gDV;j	jch Qly	dy Qlyh {k= dk ifr kr
धान	20560	76.90	42.13	धान	1300	5.89	2.66
कोदो	366	1.37	0.75	गेहूँ	1538	6.97	3.15
चना	2090	7.82	4.28	तिवरा	14408	65.31	29.52
तिल	1070	4.00	2.19	बाजरा	0.97	0.44	0.19
सब्जी	1312	4.90	2.69	अलसी	444	2.01	0.91
अन्य	1337	5.00	2.74	चना	2314	10.49	4.74
				सब्जियॉ	1312	5.55	2.69
				अन्य	647	2.93	1.32
;kx	26735	100	54-79	;kx	22060	100	45-21

lkj.kh & ¼4½

iFkfj;k fodkl [k.M & Qly ifr:Ik ¼2008½

Qly	{k= ¼gDV;j½	dqy Qlyh {k=Qy ifr kr
/kku	21860	44-79
xsgw	1536	3-15
Dknk	366	0-75
vU;	97	0-002
;kx	23861	48-90
Puk	2314	4-74
Frojk	14408	29-52
mMn	2090	4-28
Nky	17012	34-86
dqy vukt	40873	83-76
Fry	1070	2-91
Vyh	444	0-91
dqy ;kx	2624	5-37
vU;	1984	4-06
dqy Qlyh {k=	48792	33-92
fujk cks;k x;k {k=	32243	6607

lkr & Hkw vfHkys[k dk;kZy; fcykliqj ¼N-x-½

ifrn'k xkeksa dk Hkfe mi;ksx ,oa Qly ifr:i

ifjp; %&

अध्ययन हेतु चयनित ग्राम कुकुसदा, खपरी, बरछा एवं मदकु का भौगोलिक विवरण, इस प्रकार है :–

¼1½ dqdqlnk %& सर्वेक्षित ग्राम कुकुसदा पथरिया विकासखण्ड विकासखण्ड के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित है, ग्राम की भौगोलिक स्थिति 21^0 '40'' उत्तरी अक्षांश एवं 81^0 55' 30'' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। इस गांव का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 776.94 हेक्टेयर है । यह ग्राम पटवारीं हल्का क्र.30 के अंतर्गत सम्मिलित है। मनियारी नदी इसकी पूर्वी सीमा एवं आगर नदी दक्षिणी सीमा का निर्धारण करती है। वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार ग्राम की कुल जनसंख्या 2020 है । परिवहन साधनों में सड़क मार्ग प्रमुख है । पक्की सड़क द्वारा मुख्य रूप से पथरिया से जुड़ा है । आवागमन के साधन में बस प्रमुख है. साइकल, मोटर साइकल, बैलगाड़ी अन्य निजी साधन है। व्यक्तिगत सर्वेक्षण के आधार पर ग्राम के 95 परिवारों का सर्वेक्षण किया गया, जिनकी कुल जनसंख्या 566 है ।

¼2½ [kijh %& सर्वेक्षत ग्राम खपरी पटवारी हल्का क्र.46 के अंतर्गत शामिल है । यह मध्यम आकार का लघु ग्राम है। इसका भौगोलिक विस्तार $21^0$55' 50'' उत्तरी अक्षांश एंवं $81^0$58' 40'' पूर्वी देशांतर के मध्य है । ग्राम का कुल क्षेत्रफल 152.277 हेक्टेयर है । मनियारी नदी उत्तरी पूर्वी सीमा एवं टेसुआ नाला इसकीं दक्षिणी सीमा बनाती है । ग्राम खपरी के उत्तर में रामवेट, दक्षिण में खरगॉव, पश्चिम में सौदा व पूर्व में मसारिद ग्राम है तथा व्यक्तिगत सर्वेक्षण के आधार पर 71 परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है जिसकी 453 कुल जनसंख्या है।

¼3½ cjNk %& सर्वेक्षित ग्राम बरछा पथरिया विकास खंड के उत्तरी भाग में स्थित है। इसका भौगोलिक विस्तार 22^0 03' 20'' उत्तरी अंक्षाश एवं 81^0 53' 30'' पूर्वी देशान्तर के मध्य है । इस गॉव का कुल क्षेत्रफल 278.016 हेक्टेयर है । (स्थलाकृत मानचित्र क्र. 64G/13 अवस्थित है । पटवारी हल्का क्रमांक 20 में सम्मिलत है तथा मध्यम आकार का ग्राम है।

व्यक्तिगत सर्वेक्षण के आधार पर ग्राम के 122 परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है। जिनकी कुल जनसंख्या 675 है ।

ग्राम मदकु पथरिया विकासखंड के पूर्वी मार्ग में स्थित है, इसका भौगोलिंक विस्तार 21^0 51′ 20′′ उत्तरी अंक्षाश एवं 81^0 55′ 40′′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है । इस ग्राम का कुल क्षेत्रफल 292.875 हेक्टेयर है जो स्थलाकृत मानचित्र क्र 649 G/13 में अवस्थित है। ग्राम की पूर्वी सीमा का निर्धारण करती है । यह पटवारी हल्का क्रमांक 44 के अंतर्गत सम्मिलत है । वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार 2491 है। व्यक्तिगत सर्वेक्षण के आधार पर 75 परिवार की कुल जनसंख्या 1508 है।

Hkfe mi;kx %&

भूमि उपयोग भौगोलिक अध्ययन का प्रमुख पहलू है । भूमिं पर मानव द्वारा विभिन्न क्रिया कलाप किंये जाते है। मानव भूमि का उपयोग विभिन्न प्रयोजनों के आधार पर अनेक रूपों में करता है। भूमि उपयोग, सामाजिक कार्यो, यातायात के साधनों, कृषि कार्यो, औद्योगिक कार्यो, सुरक्षा कार्यों एवं वनों के अंतर्गत उपयोग महत्वपूर्ण है । भूमि उपयोग प्रतिरूप का कृषि उत्पादन कृषि सम्बंधीं, आर्थिक समस्याओं और आर्थक विकास से घनिष्ठ सम्बंध है एवं किंसी भी क्षेत्र का भूमि उपयोग मुख्य रूप से भौतिक तथ्यों एवं मानवीय तथ्यों से प्रभावित होता है ।

Hkfe mi;kx dk oxhZdj.k fuEu çdkj g

1. वन
2. कृषि के लिये अप्राप्त भूमि
   (क) गैर काश्तकारी काम में लाई गई भूमि।
   (ख) बंजर एवं कृषि अयोग्य भूमि
3. अन्य कृषि भूमिं – 1. स्थायी चारागाह
2. विविध प्रकार के झुण्ड एवं बाग
3. कृषि योग्य बेकार भूमि
4. कृषिं योग्य भूमिं
4. पड़ती भूमि 1. पुरानीं पड़ती
   2. चालू पड़तीं
5. फसल का निरा क्षेत्र या शुद्ध बोया गया क्षेत्र –

lkj.kh Øekd ¼5½
lof{kr xkek dk Hkfe mi;kx
o'k 2008

xke	*Dd lnk*		*[kijh*		*ojNk*		*end*	
Hkfe mi;kx	*{k=Qy ¼gDV;j½*	%	*{k=Qy ¼gDV;j½*	%	*{k=Qy ¼gDV;j½*	%	*{k=Qy ¼gDV;j½*	%
वन	–	–	–	–	–	–	–	–
कृषि के लिये अप्राप्त	87.794	11.3	16.584	10.8	49.456	17.8	52.246	17.8
अन्य अकृषि भूमि	94.109	12.1	3.394	2.2	5.635	2.03	12.340	4.21
पड़ती भूमि (1) पुरानी (2) चालू	 10.195 3.451	 1.31 0.43	 5.664 12.442	 3.7 8.7	 7.802 0.809	 2.8 0.03	 18.463 7.210	 6.30 2.46
निरा बोया गया क्षेत्र	581.391	74-8	114.193	74.99	214.314	77.09	202.616	69.18
;kx &	776.94	100	152.277	100	278.016	100	292.875	100

L=kr %& vkj-vkb- dk;ky;] fcykl ij ¼N-x-½ 2008

सर्वेक्षित ग्रामों की भूमि उपयोग प्रतिरूप सम्बंधी विशेषताएं निम्नलिखित है :–

1. सर्वेक्षित ग्रामों का अधिकांश भाग निरा बोया गया क्षेत्र के अंतर्गत है। ग्रामों में निरा बोया गया, भूमि उपयोग में प्रथम स्थान है। सभी चारों ग्रामों के कुल क्षेत्रफल का लगभग 74.16 प्रतिशत भाग पर निरा बोया फसल क्षेत्र है। सारणी क्रमांक (5) से स्पष्ट है।

2. शुद्ध बोया गया क्षेत्र के बाद दूसरा स्थान कृषि के लिये अप्राप्त भूमि का है, यह (कुल ग्रामों का) 206.08 हेक्टेयर भूमिं पर है जो कुल क्षेत्रफल का 13.73 प्रतिशत है । बरछा मदकु की अपेक्षा खपरीं एवं कुकसदा में कृषि के लिये अप्राप्त भूमिं का प्रतिशत कम है।

3. सर्वेक्षित ग्रामों में भूमिं उपयोग प्रतिरूप में तीसरा स्थान अन्य अकृषि भूमिं का है। यह कुल क्षेत्रफल का 7.69 प्रतिशत है जो 115.478 हेक्टेयर भूमिं पर है ।

4. पड़तीं भूमि सर्वेक्षित चारों ग्रामों में कुल 66.036 हेक्टेयर है। जिसमें 42.124 हेक्टेयर पुरानीं पड़तीं तथा 23.912 हेक्टेयर चालू पड़तीं के अंतर्गत है यह कुल क्षेत्रफल का 4.39 प्रतिशत है। भूमि की उर्वरापन की कमीं, आर्थिक स्थितिं का निम्न स्तर होना, कृषि भूमि को पड़तीं छोड़ा जाता है ।

5. सर्वेक्षित ग्रामों में वन क्षेत्र पूर्णतः नगण्य है। समतल मैदानीं भू–भाग प्रदेश है ।

सर्वेक्षित ग्रामों के भूमिं उपयोग आकड़ों का विश्लेषण से स्पष्ट है किं चयनित ग्राम पूर्णतः कृषि प्रधान है। अधिकांश जनसंख्या कृषि कार्य में ही संलग्न है ।

lkj.kh ¼6½

lof{kr xzkeksa dk Hkwfe mi;ksx

o"kZ 2008

xzke	*dqy {ks=Qy*	*"kq) d`f"k Hkwfe dk {ks=Qy ¼gsDVs;j esa½*	*dqy {ks=Qy dk izfr'kr*
1- dqdqlnk	*776-070*	*581-391*	*74-83*
2- [kijh	*152-277*	*114-193*	*74-99*
3- cjNk	*278-016*	*214-314*	*77-09*
4- endq	*292-875*	*202-616*	*69-18*
;ksx &	*1500-038*	*1112-514*	*74-16*

—f"k Hkwfe mi;ksx %&

सर्वेक्षित चारो, ग्रामों में भूमिं उपयोग में कृषि भूमि का स्थान महत्वपूर्ण है। सर्वेक्षित ग्रामों में कुल क्षेत्रफल का 1112.514 हेक्टेयर भूमिं शुद्ध बोया गया कृषिं का है, जिस पर खेती की जाती है। यह कुल क्षेत्रफल का 74.16. प्रतिशत है। सर्वेक्षित ग्रामो में खाद्य फसलो का विशेष स्थान है। यहां खरीफ व रबी मौसम की फसले उत्पादित की जाती है । कृषि भूमि उपयोग एवं फसल प्रतिरूप सारणी क्रमांक (7) इस प्रकार है –

lof{kr xzkeksa dk d`f"k Hkwfe mi;ksx & lkj.kh ¼7½

Qly izfr:i

Ø-	*Qly*	*dqy {ks=Qy ¼gsDVs;j esa½*	*dqy {ks=Qy dk izfr'kr*
1.	खाद्य फसल धान गेहूँ कोदो	 727.983 40.342 33.208	
	;ksx &	*801-533*	*48-98*
2.	दाल चना उड़द	 209.926 0.518	

	तिवरा मूंगफली अरहर तुअर कुल दाल	406.845 23.987 24.005 16.031 681.312	
	;kx &	*1482-845*	*90-62*
3.	तिल अलसी	1.976 10.7	
	;kx	*12-676*	*0-77*
4.	सब्जियॉ अन्य	80.80 59.926	4.93 3.36
	;kx	*523-733*	*32-008*
5.	निराफसल	1112.514	67.99

lkj.kh ¼8½

df’k Hkkfe mi;kx & jch Qlyk dk vrxr

o’kZ 2008

xke	*dqdqlnk*	*[kijh*	*cjNk*	*endw*
तिवरा	210.809	53.202	100.304	42.530
चना	78.445	20.101	80.202	31.178
गेहूॅ	5.101	22.809	—	12.432
सब्जियॉ	13.352	18.66	1.324	7.312
अन्य	16.390	14.938	—	16.01
योग	330.942	129.71	183.437	111.677

lkj.kh ¼9½

nQlyh {k=

o’kZ 2008

xke	*nQlyh {k=Qy*	*dqy {k=Qy dk izfr'kr*	*nQlyh Hkkfe dk dqy {k=Qy dk izfr'kr*
कुकुसदा	204.430	28.31	39.03
खपरी	57.434	36.69	10.96
बरहा	149.555	53.79	28.56
मदकू	112.314	38.34	21.54
;kx &	*523-733*	*34-91*	*100-00*

fu’d’kZ %&

उपयुक्त सारणीं से स्पष्ट है कि कुल क्षेत्रफल का 74.16 प्रतिशत कृषि भूमि के अंतर्गत आता है । यह भूमिं उपयोग का सर्वाअधिक भाग है । सर्वेक्षित ग्राम में कृषि सम्बंधीं सामान्य विशेषताएं निम्न रूप में है :–

1. इस क्षेत्र में मुख्य रूप से जीवन निर्वाहक का साधन कृषि है । यहां के अधिकांश क्षेत्रों में खाद्य फसले हीं उगायीं जातीं है । यह रवरीफ फसल में रवाद्यान एवं रबी फसल में दलहन की रवेतीं अधिक होती है ।

2. यहॉ खरीफ फसल में धान का प्रमुख स्थान है यहाँ की जनसंख्या का प्रमुख खाद्यान चावल हीं है । यहाँ का कुल फसली क्षेत्र का 727.983 हेक्टेयर का 90.8 प्रतिशत है।

3. अन्य मोटे अनाज के अंतर्गत कोदा कुटकी प्रमुख है। यह कुल फसली क्षेत्र का 4.143 प्रतिशत है।

4. रबी फसलों के अंतर्गत दलहन में तिंवरा प्रमुख है, इसके अलावा उड़द, अरहड़, चना प्रमुख है । अखाद्य फसलों में सरसों, अलसीं, तिल है । जो सर्वेक्षित ग्राम में बहुत कम है । यह कुल फसल क्षेत्र का 12.67 हेक्टेयर है। दलहन का प्रतिशत कुल फसली क्षेत्र का 0.77 प्रतिशत है ।

5. सर्वेक्षित ग्रामों की सम्पूर्ण कृषि मानसून पर आधारित है, इन ग्रामों में सिंचाई के साधनों का अभाव है ।

6. यहाँ की मूल जनसंख्या अभी भी पिछड़ी व अशिक्षित है । अधिकांश कृषकों को आधुनिक बीज, खाद, कृषि यंत्र तथा उन्नत बीज आदि का उपयोग नहीं करते।

7. यहाँ के कृषक खेतों के अलावा बाड़ी में साग सब्जी तथा मोटे अनाज का उत्पादन करते है ।

8- कृषिं की पद्धतिं परम्परा गत ढंग से है । फसलों में धान को छोड़कर बोने की पद्धतिं प्रमुख है । कृषि जोत का आकार बहुत हीं छोटा है।

l nHk xFk

1. Mahammad, Ali, 1978 ; Dynamic agriculture development in India, concept pub. Company Delhi.

2. Dubey, R.S, 1987 ; Agriculture geography issues and Application gain pub. House, New Delhi.

3. Hussain, m. 1996 ; Agriculature geography, Inter India pub. New Delhi.

4. Mandal, R.B : 1982 ; Land utilization, Theory and practice concept publication, New Delhi.

5. Mitra, M. 1980 ; Agricultural geography of Chhattisgarh Basin Sahitya Ratanmala publication Kanpur.

6. Mahajan, O.P. , 1982 ; Economic planning and regional development in India, Ess and Ess New Delhi.